शिवराज सिंह चौहान
मुख्यमंत्री

मध्यप्रदेश शासन
भोपाल - 462004
सं.क्र.1506 / 15 मार्च, 2010

संदेश

प्रसन्नता का विषय है कि वन विभाग द्वारा विश्व वानिकी दिवस 21 मार्च के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण और पौध-रोपण पर केन्द्रित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

मध्यप्रदेश में वन संसाधनों के बेहतर प्रबंधन के लिये जन सहभागिता आधारित जो कार्यक्रम चलाये जा रहे है उससे नागरिकों में पर्यावरण के संरक्षण-संवर्धन के प्रति जागरूकता बढ़ी है। इसके अलावा शासकीय स्तर पर मनाये जाने वाले हरियाली महोत्सव ने भी लोगों को पौधरोपण के लिये प्रेरित किया है।

आशा है विश्व वानिकी दिवस के अवसर पर वानिकी की विभिन्न योजनाओं से अधिक से अधिक लोगों को जोड़ा जायेगा तथा इन योजनाओं के प्रचार-प्रसार से लोगों में पर्यावरणीय जागरूकता आयेगी।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित।

12।02।10.

(शिवराजसिंह चौहान)

सरताज सिंह
वन मंत्री
मध्यप्रदेश शासन

क्रमांक : 284/10
दिनांक : 15/3/10

:: संदेश ::

पृथ्वी पर जीवन अस्तित्व को बनाये रखने के लिये हरियाली का होना आवश्यक है । विश्व वानिकी दिवस (21 मार्च) हमें इस दिशा में चिंतन करने का अवसर प्रदान करता है । विश्व में हरे आवरण की लगातार कमी के कारण पर्यावरण को खतरा उत्पन्न हो गया है । पर्यावरण संतुलन को बनाये रखने के लिये वनों का संरक्षण और विकास ही एकमात्र विकल्प है ।

मध्यप्रदेश में जनभागीदारी से वानिकी विकास के साथ ग्राम संसाधन विकास के लिये अनेक नीतिगत निर्णय लिये गये हैं । प्रदेश में वानिकी योजनाओं के द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नये अवसर विकसित हुए हैं ।

मध्यप्रदेश में वर्ष 2010 बांस वर्ष में रूप में मनाया जा रहा है। बांस वर्ष के दौरान पांच करोड़ बांस के पौधे रोपित करने का हमने लक्ष्य बनाया है । यह एक बड़ा लक्ष्य है जो बिना जन भागीदारी के प्राप्त करना संभव नहीं है । बांस वर्ष को सफल बनाने में आप सभी का सहयोग अपेक्षित है ।

मुझे विश्वास है कि विश्व वानिकी दिवस जन साधारण में जागरूकता लाने में सफल रहेगा ।

15/3

(सरताज सिंह)

जयसिंह मरावी
राज्य मंत्री
वन, राजस्व विभाग
मध्यप्रदेश.

निवास : कमरा नं. 60-61, खण्ड क्र.-1
एम. एल. ए. रेस्ट हाउस, भोपाल
दूरभाष | मंत्रालय : (0755) 2512583
निवास : (0755) 2440583
वि.सभा : (0755) 2523159

पत्र क्र. 237

भोपाल, दिनांक 18-3-2010

संदेश

(विश्व वानिकी दिवस 21 मार्च 2010 हेतु)

मानव ने विकास के इस युग में प्राकृतिक संसाधनों का दोहन किया है । जिससे हमारे पर्यावरण को खतरा पैदा हो गया है । विश्व वानिकी दिवस का उद्देश्य यही है कि वन संसाधनों के महत्व के प्रति जन चेतना लायी जा रही है ।

प्रदेश में संयुक्त वन प्रबंधन के तहत ग्रामीणों के सहयोग से वनों का प्रबंधन सफलतापूर्वक किया जा रहा है । इसी प्रकार लोक वानिकी मिशन के द्वारा निजी क्षेत्र में भी वनीकरण को बढ़ावा दिया जा रहा है । राज्य सरकार द्वारा वनों के विकास तथा संरक्षण के लिये अनेक योजनायें चलाई जा रही है । आप सभी इन योजनाओं का लाभ उठायें ।

आईये, विश्व वानिकी दिवस के अवसर पर हम सभी वन विकास तथा संरक्षण में आप अपना सहयोग देने की शपथ लें ।

(जयसिंह मरावी) 18.3.10